Date - 19-10-2022

Publication - Dainik Jagran (Hindi)

भूमिगत खदान की ओर लौट रही कोल इंडिया

कोयला जगत

- 2029-30 तक सौ मि.टन भूमिगत खदान से कोयला उत्पादन का लक्ष्य
- बीसीसीएल की चार खदानों को खोलने पर किया जा रहा विचार

जासं, धनबाद : कोल इंडिया एक बार फिर से भूमिगत खदान को चालू करने के प्लान पर काम कर रही है। भूमिगत खदान के कोयले की क्वालिटी भी काफी बेहतर होती है। इसका मूल्य भी कोयला कंपनियों को अधिक मिलता है। कोल इंडिया तकनीकी निदेशक वी वीरा रेड्डी ने कोयला कंपनियों के तकनीकी निदेशकों के साथ बैठक कर भूमिगत खदानों को चालू करने की योजना की समीक्षा की। उन्होंने इस माह के अंत तक रिपोर्ट कोल इंडिया भेजने के लिए कहा है। कोल इंडिया ने 2029-30 तक सौ मिलियन टन भूमिगत खदान से कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल 40 से 45 मिलियन टन कोयला का ही उत्पादन हो रहा है।

जमीन और पर्यावरण से संबंधित समस्या पर प्रबंधन का ध्यान : जमीन और पर्यावरण से संबंधित समस्या पर गौर करते हुए कोल इंडिया ने दोबारा भूमिगत खदान की ओर कदम बढ़ाना शुरू किया है। कोयला मंत्रालय ने लंबे समय से बंद पड़ी भूमिगत खदानों को चालू करने की संभावना परखने का निर्देश दिया है।भूमिगत खदानों से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव अपेक्षाकृत कम पड़ेगा। अभी वैश्विक स्तर पर कोयला की कीमत भी बढ़ी हुई है। इसलिए भी आकलन है कि बंद भूमिगत खदानों से खनन कार्य व्यापारिक दृष्टिकोण से लाभप्रद हो सकता है। ऐसे 20 भूमिगत खदान चिह्नित हुए हैं जिन्हें दोबारा चालू करने पर गौर किया जा रहा है। इसमें बीसीसीएल की मधुबन, लोहापट्टी, अमलाबाद एवं खरखरी में खदान चिह्नित हुई है।

बीसीसीएल में रिक्त वैधानिक पद विभागीय स्तर से भरेंगे

जासं, धनबाद : बीसीसीएल में रिक्त वैधानिक पद को विभागीय स्तर पर भरा जाएगा। इसको लेकर विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। इनमोसा के अपर महासचिव कुश कुमार सिंह ने कहा कि इस संबंध में सीएमडी से बात हुई है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि वैधानिक पदों की रिक्तियां तुरंत समाप्त की जाएगी। वहीं आरक्षण के तहत 69 रिक्त पद को कैसे भरा जाए, इसको लेकर भी कार्मिक विभाग के अधिकारी मंथन में जुटे हैं। वहीं श्रम संगठन के प्रतिनिधियों ने बीसीसीएल प्रबंधन को हर स्तर पर बहाली निकालने को लेकर दबाव बनाया है। इस संबंध में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के महासचिव एके झा ने कोल इंडिया चेयरमैन को पत्र लिखकर रिक्त पदों के लिए बहाली निकलने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि लगातार श्रम शक्ति कम हो रही है। कई काम जो ठेका श्रमिक से नहीं हो सकता है, वहां भी उनसे काम लिया जा रहा है।

Date - 20-10-2022

Publication - Hindustan (Hindi)

'कोल इंडिया निजी क्षेत्र से प्रतियोगिता को चिंतित नहीं'

धनबाद। कोयले पर पहली बार बड़े पैमाने पर दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय कन्वेंशन का आयोजन किया गया। यह कन्वेंशन कोयला क्षेत्र में हो रहे बदलाव को लेकर एक रणनीतिक रोडमैप था।

कोल इंडिया के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से उक्त कन्वेंशन के दौरान आयोजित एक पैनल बहस में दो टूक कहा गया कि निजी क्षेत्र से कोल इंडिया को किसी तरह की प्रतियोगिता को लेकर कंपनी चिंतित नहीं है। कोयला के क्षेत्र में कोल इंडिया का प्रभुत्व बना रहेगा। आधिकारिक सूत्रों की मानें, तो उक्त पैनल डिस्कशन में कोल इंडिया के चेयरमैन समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उक्त पैनल बहस में कहा गया कि कोयले में निजी कंपनियों की उत्पादन लागत कोल इंडिया से अधिक होगी, इसलिए कोल इंडिया को चिंता नहीं है। कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय कोयले की कीमतों में वृद्धि के बावजूद कोल इंडिया बीते चार वर्षों से समान कीमत पर कोयले की आपूर्ति पावर प्लांटों में कर रही है।

Date - 21-10-2022

Publication - Hindustan (Hindi)

पहल: पुराने कंप्यूटर दान कर रही कोल इंडिया

धनबाद, विशेष संवाददाता । स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे स्पेशल कंपेन 2.0 के तहत कोयला कंपनियां स्वच्छता अभियान, बाग-बगीचे की सफाई, नए पार्क का निर्माण आदि कर रही है। खास बात यह है कि उक्त कंपेन के तहत कोल इंडिया ने पुराने कंप्यूटर को दान करने की योजना शुरू की है ताकि गरीब छात्र-छात्राओं को पढ़ने लिखने में इससे मदद मिले। कोल इंडिया ने यह पहल अपनी अनुषंगी कंपनियों से भी करने की अपील की है। कोल इंडिया ने 10 पुराने पीसी को एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट हेल्प अस हेल्प देम को सौंपे हैं। ग्रामीण स्कूलों में लड़कियों द्वारा उपयोग के लिए ऐसा किया गया है। कोल इंडिया ने सहायता प्राप्त और गैर-लाभकारी वैसे जररूतमंद स्कूलों की पहचान अपने क्षेत्र में की है, जहां लगभग 300 पुराने कंप्यूटर, जो चालू स्थिति में है, उसे दान में दिया जाएगा। अनुषंगी कंपनियों में भी यह पहल शुरू होगी।